सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या - 140
05/02/2019

राजभवन में ''बिहार में उच्च शिक्षा की रूपरेखा'' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन आज सम्पन्न हुआ

पटना, 05 फरवरी 2019

राजभवन स्थित राजेन्द्र मंडप मं आयोजित 'बिहार में उच्च शिक्षा की रूपरेखा' (Blueprint of Higher Education in Bihar) विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के आज दूसरे और अंतिम दिन कुल 5 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें देश के कई ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों ने अपने विचार व्यक्त किये। ज्ञातव्य है कि सम्मेलन में बिहार राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के प्राचार्यों सहित लगभग 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सम्मेलन के दूसरे दिन आयोजित प्रथम सत्र का विषय था –''National Institute Ranking Framework Related Issues and Industry Academia Interface – ('NIRF' से जुड़े मुद्दे एवं औद्योगिक शैक्षिक परिसंवाद'')। इस सत्र के अन्तर्गत उच्च शिक्षा से जुड़े संस्थानों को संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में लाने पर वक्ताओं द्वारा जोर दिया गया। इस सत्र में उच्च शिक्षा के निदेशक (EY) डॉ॰ सुचीन्द्र कुमार, श्री गौरव सिंह एवं पटना विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा ने अपने विचार व्यक्त किए। इन तीनों वक्ताओं ने अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पर जोर दिया तथा पाठ्यक्रम को आज की जरूरतों के अनुरूप रोजगारोन्मुखी और 'मार्केट–आरियेन्टेड' बनाने की आवश्यकता बतायी। प्रो॰ डॉली सिन्हा ने अपने संभाषण के दौरान शिक्षण, प्रशिक्षण एवं संसाधनों को स्पष्ट करते हुए शोध एवं प्रोफेशनल प्रैक्टिसेज को बढ़ावा देने की वकालत की। वक्ताओं ने बताया कि 'NIRF' में सूचीबद्ध होने के लिए 'NAAC' से प्रत्ययन आवश्यक नहीं है।

दूसरे तकनीकी सत्र में ''Issue of Quality and Relevance, Research, Improvement and Funding Agencies'' (गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता से जुड़े मुद्दे –शोध, विकास तथा वित्त पोषण करनेवाली एजेन्सियाँ) –विषय पर व्यापक रूप से चर्चा हुई, जिसमें अम्बेदकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व कुलपति प्रो॰ श्याम मेनन, बिहार राज्य प्रदूषण बोर्ड के अध्यक्ष डॉ॰ अशोक कुमार घोष तथा टी॰पी॰एस॰ कॉलेज की डॉ॰ तनुजा ने संबोधित किया।

सत्र को संबोधित करते हुए प्रो॰ मेनन ने कहा कि शिक्षा में मैलिकता बहुत जरूरी है तथा इसके लिए बुनियादी ढ़ाँचे में सुधार भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विभिन्न फन्डिंग एजेन्सियों से राशियाँ उपलब्ध हो रही हैं, जिन्हें प्राप्त कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देने की जरूरत है।

तीसरा तकनीकी सत्र पुस्तकालय सुविधाओं पर केन्द्रित था, जिसे पंजाब विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ॰ राजकुमार ने संबोधित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि कॉलेजों में पुस्तकालय की अवधि सुबह 9 बजे से संध्या 4 बजे तक तथा विश्वविद्यालयों में सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने पुस्तकालयों को ' N-'LIST' से जुड़ने पर बल दिया तथा 'E-Granthalay', 'Koha' तथा 'New Genlib' –जैसे सॉफ्टवेयरों के माध्यम से पुस्तकालयों के सुदृढ़ीकरण का सुझाव दिया। इस सत्र में डॉ॰ अशोक कुमार झा ने शोधकार्यों में 'साहित्यिक चोरी' (Plagiarism) को रोकने तथा लाइब्रेरी के डिजिटाइजेशन पर बल दिया। वक्ताओं ने पुस्तकालयों में पुस्तक प्रदर्शनियों पुस्तक मेलों आदि के आयोजन पर भी जोर दिया तथा कहा कि पुस्तकालय– परिसरों में पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों यथा –सांस्कृतिक आयोजन आदि भी कराये जा सकते हैं, ताकि पुस्तकालय के प्रति विद्यार्थियों में आकर्षण जगे।

चौथे तकनीकी सत्र में (Extra Curriculum Activities, Sports and Cultural Activities) (पाठ्यक्रमेतर गतिविधियाँ – खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ'') विषय पर केन्द्रित सत्र में राज्य के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के खेल निदेशक डॉ॰ संजय सिन्हा ने स्टेडियम निर्माण एवं राज्य सरकार की खेलकूद से जुड़ी कई योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई सरकारी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया, जिन्हें विश्वविद्यालय कार्यान्वित करा सकते हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास पर पटना विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो॰ शंकर आशीष दत्त ने प्रकाश डाला।

सम्मेलन में 'Role of Private Universities in the Development of Higher Education in Bihar ' विषयक सत्र को एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ टी॰आर॰ वेंकटेश ने संबोधित किया। उन्होंने राज्य में यथासंभव अधिक संख्या में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना की वकालत की ताकि उच्च शिक्षा में प्रतिस्पर्धा का वातावरण बने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

सम्मेलन के एक सत्र में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आर॰के॰ महाजन ने कहा कि राज्य में शिक्षकों की कमी शीघ्र दूर हो जाएगी। उन्होंने शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं गुणवत्तावर्द्धन की भी आवश्यकता बतायी। कार्यक्रम में सूचना प्रावैधिकी विभाग के सचिव श्री राहुल सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में सूचना प्रावैधिकी का अधिकाधिक इस्तेमाल करने पर जोर दिया तथा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय परिसरों में गुणवतापूर्ण इन्टरनेट सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक व्यवस्था का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के समापन–सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा के ब्लूप्रिंट तैयार करने की दिशा में इस राष्ट्रीय सम्मेलन की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि काफी प्रभावोत्पादक एवं सारगर्भित व्यावहारिक सुझाव वक्ताओं ने दिए हैं। समापन सत्र में बोलते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में उच्च शिक्षा के विभिन्न पहलुओं और आयामों पर अत्यन्त सार्थक विचार प्राप्त हुए हैं, जो राज्य में उच्च शिक्षा की रूपरेखा तैयार करने में काफी सहायक होंगे। समारोह में राजभवन के शिक्षा परामर्शी डॉ॰ आर॰सी॰ सोबती ने भी अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद–ज्ञापन पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया।

.....